<u>रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33002/99</u>

भारत सरकार GOVERNMENT OF INDIA



एस.जी.-डी.एल.-अ.-08012025-260041 SG-DL-E-08012025-260041

असाधारण EXTRAORDINARY

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 11] दिल्ली, सोमवार, जनवरी 6, 2025/पौष 16, 1946 [रा.रा.रा.क्षे.दि. सं. 323 No. 11] DELHI, MONDAY, JANUARY 6, 2025/PAUSHA 16, 1946 [N. C. T. D. No. 323

भाग IV PART IV

राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र दिल्ली सरकार GOVERNMENT OF THE NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI

fof/k] U; k; \vee k§ fo/kk; h dk; l foHkkx \vee f/kl |puk|

दिल्ली, 6 जनवरी, 2025

- Qk- I à 1@43@2024&U; kf; d@√/kh0 fof/k@29&35.—गृह मंत्रालय, भारत सरकार की दिनांक 26 नवम्बर, 1985 की अधिसूचना संख्या यू—11030/4/85—यूटीआई के साथ पठित पारिवारिक न्यायालय अधिनियम, 1984 (1984 का 66) की धारा 23 की उप—धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल, माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय से परामर्श के पश्चात, एतद् द्वारा दिल्ली पारिवारिक न्यायालय नियमावली, 1996 में और अधिक संशोधित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं :—
- 1. संक्षिप्त शीर्षक एवं प्रारंभ (1) इन नियमों को दिल्ली पारिवारिक न्यायालय (संशोधन) नियमावली, 2024 कहा जाए।
 - (2) ये तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।
- 2. दिल्ली पारिवारिक न्यायालय नियमावली, 1996 में विद्यमान नियम 17 तथा नियम 18 का निरसन:— दिल्ली पारिवारिक न्यायालय नियमावली, 1996 में विद्यमान नियम 17 तथा नियम 18 का विलोप हो जाएगा।

173 DG/2025 (1)

3. दिल्ली पारिवारिक न्यायालय नियमावली, 1996 में अध्याय—टप् तथा अध्याय—टप्प का सिम्मलन/संवर्धन :— दिल्ली पारिवारिक न्यायालय नियमावली, 1996 के अध्याय—ट में विद्यमान नियम 16 के पश्चात, निम्नलिखित अध्याय (अध्याय—टप् एवं अध्याय—टप्) सिम्मलित किए जाएंगे:—

∨/; k; &**VI**

नियम 17:- i {kdkj ka; k 0; fä; ka dh xksi uh; rk dh l qi {kk %

- (i) कोई भी पक्षकार न्यायालय की अनुमित के बिना किसी दस्तावेज की विषय—वस्तु को अभिवचन में नहीं निकालेगा या उसके संपूर्ण भाग अथवा उसके किसी भाग की प्रतिलिपि संलग्न नहीं करेगा जो संवेदनशील प्रकृति का हो, जैसे कि—किसी पक्षकार या किसी व्यक्ति या उसके आचरण से संबंधित व्यक्तिगत या निजी प्रकृति का ब्यौरा हो, जिसे प्रकट करने से निजता के अधिकार पर प्रभाव पड़ने या शर्मिंदगी उत्पन्न होने की संभावना हो।
 - स्पष्टीकरण : इस नियम के प्रयोजनार्थ, दस्तावेज में कोई भी लिखित सामग्री, निजी पत्र, नोटिंग, फोटोग्राफ और वीडियो क्लिप, पाठ संदेश, चैट विवरण, ईमेल, उनकी मुद्रित प्रतियां, सीसीटीवी फुटेज आदि को सम्मिलित करते हुए इलेक्ट्रॉनिक रूप में दस्तावेज शामिल होंगे।
- (ii) जब कभी कोई पक्षकार उपरोक्त (प) के अधीन आवेदन करता है, या जहां कोई अन्य पक्षकार, या स्वयं पारिवारिक न्यायालय, मामले में अभिलेख पर कोई दस्तावेज पाता है जो प्रथम दृष्ट्या संवेदनशील प्रकृति का है, तो पारिवारिक न्यायालय उक्त दस्तावेजों के संबंध में समुचित आदेशों को पारित करेगा जिसमें पक्षकारों को उनकी प्रतियां उपलब्ध कराना, मूल प्रतियों या प्रतियों को, जैसा भी मामला हो, सीलबंद लिफाफे में सुरक्षित रखना, न्यायालय की कार्यवाहियों के दौरान प्रस्तुत करने के लिए उनकी सील खोलना तथा जिस उद्देश्य हेतु उन्हें प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था, उसके समाप्त हो जाने के पश्चात् उन्हें पुनः सील करना शामिल है।
- (iii) पारिवारिक न्यायालय, पक्षकारों तथा उनके संबंधित अधिवक्ताओं एवं न्यायालय स्टाफ को ऐसे दस्तावेजों की गोपनीयता बनाए रखने के उद्देश्य से, उनकी प्रतियां बनाने, उनका उपयोग करने, उन्हें संरक्षित रखने तथा प्रसारित करने के संबंध में विशिष्ट दिशा—निर्देश भी देगा।
- (iv) पारिवारिक न्यायालय उन शर्तों को निर्दिष्ट करने के लिए आवश्यक दिशा—निर्देशों को भी पारित करेगा जिनके अंतर्गत तीसरे पक्षकारों को ऐसे दस्तावेज तक पहुंच की अनुमति दी जाएगी।
- (v) पारिवारिक न्यायालय उपर्युक्त (प), (पप), (पपप) और (पअ) मुद्दों पर कानून के अनुसार अनावश्यक विलंब के बिना निर्णय लेने का प्रयास करेगा।
- (vi) पारिवारिक न्यायालय हर समय पक्षकारों तथा व्यक्तियों की निजता एवं सम्मान के अधिकारों की रक्षा की आवश्यकताओं को ध्यान में रखेगा तथा किसी भी स्थिति के अनुसार इन नियमों को उपयुक्त रूप से आशोधित और अनुकूलित/लागू कर सकता है।
- (vii) पारिवारिक न्यायालय, जहां तक संभव और व्यावहारिक हो, कार्यवाही बंद कक्ष में करेगा।
- (viii) पारिवारिक न्यायालय सभी वैवाहिक विवादों और संरक्षकता विवादों में पक्षकारों के नाम वाद सूची और निर्णय के अन्य भागों में तब मिटा देगा जब वे न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे या अन्यथा उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्हें उनके नामों की वर्तनी के प्रथम अक्षर से प्रतिस्थापित किया जाएगा।

√/; k; &**VII**

18 I Hkh obokfqd ekeykaeaifjlaifùk; kalvk; rFkk 0;; dk 'kiFk&i = %

हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 9 से 13 के अंतर्गत याचिकाओं सहित सभी दलीलों और लिखित बयानों के साथ अनुलग्नक—क में दिए गए प्रारूप में परिसंपत्तियों, आय और व्यय का शपथनामा संलग्न करना होगा, इसके अतिरिक्त उसमें उल्लिखित प्रासंगिक दस्तावेज भी संलग्न करने होंगे। 19 0; k[; k %

यदि इन नियमों की व्याख्या से संबंधित कोई प्रश्न उठता है, तो उसका निर्णय राज्य सरकार द्वारा उच्च न्यायालय के परामर्श से किया जाएगा।

20 fujlu %

इस सरकार की दिनांक 9 मार्च, 1992 की अधिसूचना संख्या फा0 6/141/84—न्यायिक द्वारा अधिसूचित दिल्ली पारिवारिक न्यायालय नियमावली, 1992 को एतद् द्वारा निरस्त किया जाता है।

4. नियमों में विद्यमान 'अनुसूची' के पश्चात 'अनुलग्नक—क' को सिम्मिलित करना : नियम 18 में यथाविनिर्दिष्ट निम्नलिखित 'अनुलग्नक—क' को विद्यमान 'अनुसूची' के पश्चात् जोड़ा जाएगा, अर्थात:—

vuyxud&*d^

x§&季f"k | k{kh gsrqifj| aifùk; ka rFkk nsunkfj; ka dk 'kiFk&i =

में 	 ,	 अ	–, ायु	सुपुत्री लगभ					———या वर्ष,	सुपुत्र निवासी
करता / करती हैं	एतद्	द्वारा	सत्यनिष	टा से	प्रतिज्ञान	करता / कर	 ती हूँ	 और	 निम्नलिखित	घोषणा

- क. 0; fäxr tkudkjh
- 1. नाम:
- 2. आयु/लिंग :
- 3. योग्यताएं (शैक्षिक तथा व्यावसायिक) :
- 4. क्या आवेदक वैवाहिक घर / पैतृक घर / अलग निवास—स्थान में रह रहा है। कृपया वैवाहिक घर या निवास—स्थान का वर्तमान आवासीय पता और निवास के स्वामित्व का विवरण, यदि उसका स्वामित्व परिवार के अन्य सदस्यों के पास है, उपलब्ध कराएं।
- 5. विवाह की तिथि :
- 6. अलग होने की तिथि:
- 7. आवेदक का सामान्य मासिक खर्च (किराया, घरेलू खर्च, चिकित्सा बिल, परिवहन आदि) :
- ख. fof/kd dk; bkgh rFkk Hkkxrku fd, tk jgs Hkj.k&i ks"k.k dk fooj.k
- आवेदक और गैर—आवेदक के मध्य भरण—पोषण या बाल सहायता के संबंध में चल रही या पिछली किसी विधिक कार्यवाही का विवरण।
- 2. क्या डी०वी० अधिनियम, सीआर०पी०सी०, एच०एम०ए०, एच०ए०एम०ए० आदि के अंतर्गत हुई किसी कार्यवाही में भरण—पोषण का आदेश दिया गया है? यदि हाँ, तो कार्यवाही में दिए गए भरण—पोषण की मात्रा का विवरण उपलबध कराएं।
- 3. यदि हां, तो पारित आदेश / आदेशों की प्रति सहित उसका विवरण उपलब्ध कराएं।
- क्या पूर्ववर्ती कार्यवाहियों में पारित भरण—पोषण संबंधी आदेश का अनुपालन किया गया है? यदि नहीं, तो भरण—पोषण के बकाया का विवरण उपलबध कराएं।
- 5. क्या भरण—पोषण हेतु कोई स्वैच्छिक योगदान दिया गया है/भविष्य में दिया जाएगा? यदि हाँ, तो उसका विवरण उपलब्ध कराएं।
- ग. ifjokj ds vkfJr InL; ka ds fooj.k
- 1. परिवार के आश्रित सदस्यों के विवरण, यदि कोई हो तो-

- क. आश्रितों के साथ संबंध :
- ख. आश्रित/आश्रितों की आयु एवं लिंग:
- 2. यदि आश्रितों की आय का कोई स्वतंत्र स्रोत / कई स्रोत हैं, तो उसका खुलासा करें, जिसमें ब्याज आय, परिसंपत्तियां, पेंशन, ऐसी किसी आय पर कर देयता और अन्य प्रासंगिक विवरण शामिल हैं।
- 3. आश्रित के कारण होने वाले अनुमानित व्यय।
- घ. Ik{kh rFkk@; k ifjokj ds∨kfJr InL; ka dk fpfdRIk fooj.k]; fn dkbl gks rk&
- क्या या तो पक्षकार या बच्चा / बच्चे किसी शारीरिक / मानिसक दिव्यांगता अथवा किसी अन्य गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। यदि हाँ, तो चिकित्सा संबंधी अभिलेख प्रस्तुत करें।
- वया परिवार के किसी आश्रित सदस्य को गंभीर दिव्यांगता है, जिसके लिए निरंतर चिकित्सा व्यय की आवश्यकता है। यदि हाँ, तो दिव्यांगता संबंधी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें तथा ऐसे चिकित्सा उपचार पर हुए अनुमानित चिकित्सा व्यय की जानकारी दें।
- 3. क्या या तो पक्षकार या बच्चा / बच्चे या परिवार का कोई अन्य आश्रित सदस्य जीवन के घातक रोग से पीड़ित है, जिसके लिए महंगा और नियमित चिकित्सा व्यय अपिरहार्य होगा? यदि हाँ, तो अस्पताल में भर्ती होने / चिकित्सा में हुए व्यय के पिछले विवरणों के सारांश के साथ इसका विवरण उपलब्ध कराएं।
- ङ. i {kdkjka ds cPpka ds fooj.k
- 1. मौजूदा विवाह / वैवाहिक संबंध / पिछली शादी से बच्चों की संख्या
- 2. बच्चों के नाम और आयु
- 3. उस माता-पिता का विवरण जिसके पास बच्चों की अभिरक्षा है।
- 4. आश्रित बच्चों के भरण-पोषण हेतु व्यय-
- क. भोजन, वस्त्र और चिकित्सा व्यय हेतु
- ख. शिक्षा हेतु व्यय तथा सामान्य व्ययों का सारांश हेतु
- ग. आश्रित बच्चों की किसी अतिरिक्त शैक्षिक, व्यावसायिक या पेशेवर / शैक्षिक पाठ्यक्रम, विशेष प्रशिक्षण या विशेष कौशल कार्यक्रम के लिए व्यय, यदि कोई हो।
- घ. बच्चों के किसी भी शैक्षिक व्यय के कारण किसी भी ऋण, बंधक, किए गए प्रभार या किस्त योजना (भुगतान किया जा रहा है या देय है) का विवरण, यदि कोई हो।
- 5. क्या इन शैक्षिक व्ययों हेतु पक्षकारों में से कोई भी स्वैच्छिक योगदान दे रहा है। यदि हाँ, तो उसका विवरण दें। साथ ही, किसी भी अतिरिक्त योगदान की आवश्यकता संबंधी उसके अनुमान की जानकारी भी दें।
- 6. क्या बच्चों की शिक्षा संबंधी व्यय हेतु किसी तीसरे पक्षकार द्वारा कोई वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई की जा रही है?
- च. Ik{kh dh ∨k; dk fooj.k
- 1. नियोक्ता का नाम :
- 2. पदनाम :
- 3. मासिक आय:
- 4. यदि साक्षी सरकारी सेवा में कार्यरत हैं, तो नवीनतम वेतन प्रमाण पत्र या वर्तमान वेतन पर्ची या बैंक खाते में जमा राशि का प्रमाण प्रस्तुत करें, यदि नियोक्ता द्वारा सीधे धनराशि भेजी जा रही हो।

- 5. यदि साक्षी निजी क्षेत्र में कार्यरत हैं, तो नियोक्ता द्वारा प्रदत्त प्रमाण—पत्र प्रस्तुत करें जिसमें ऐसे व्यक्ति का पदनाम और सकल मासिक आय का विवरण हो तथा वर्तमान रोजगार की प्रासंगिक अवधि के लिए प्रपत्र 16 भी प्रस्तुत करें।
- 6. यदि वर्तमान रोजगार के दौरान नियोक्ता द्वारा कोई परिलब्धि, लाभ, मकान किराया भत्ता, यात्रा भत्ता, महंगाई भत्ता या कोई अन्य सेवा लाभ प्रदान किया जा रहा है।
- 7. क्या आयकर का निर्धारण किया गया है?

यदि हाँ, तो नीचे दी गई अवधि के लिए आयकर विवरणियों की प्रतियां प्रस्तृत करें :

- (i) विवाह से एक वर्ष पूर्व
- (ii) अलग होने से एक वर्ष पूर्व
- (iii) उस समय जब भरण-पोषण के लिए आवेदन दायर किया जाता है
- 8. ऐसी किसी आय के संबंध में टी०डी०एस० के साथ अन्य स्रोतों जैसे कि किराया, ब्याज, शेयर, लाभांश, पूंजीगत लाभ, एफ.डी.आर., डाकघर जमा, म्युचुअल फंड, स्टॉक, डिबेंचर, कृषि, या व्यवसाय से होने वाली आय, यदि कोई हो।
- 9. विगत तीन वर्षों के सभी खातों के बैंक संबंधी ब्यौरे की प्रतियां प्रस्तुत करें।
- 평. lk{kh ds LokfeRo okyh ifjl aifùk; ka ¼ру ∨k\$, ∨ру½
- 1. स्व-अधिग्रहित संपत्ति, यदि कोई हो :
- 2. विवाह के पश्चात् पक्षों की संयुक्त रूप से स्वामित्व वाली संपत्तियां :
- 3. किसी पैतृक संपत्ति में हिस्सा :
- 4. पक्षों की अन्य संयुक्त संपत्तियां (खाते / निवेश / एफडीआर / म्यूचुअल फंड, स्टॉक, डिबेंचर आदि), उनका मृल्य एवं आधिपत्य की स्थिति :
- 5. अचल संपत्ति के आधिपत्य की स्थिति और किराये का विवरण, यदि पट्टे पर हो :
- 6. साक्षी द्वारा लिए गए या दिए गए ऋणों का विवरण :
- 7. विवाह के दौरान / पश्चात् प्राप्त आभूषणों और गहनों का संक्षिप्त विवरण :
- 8. आवेदक के स्वामित्व वाली पिछली संपत्तियों का हस्तांतरण विलेख या बिक्री के लेन—देन का विवरण, जो विवाह के के दौरान किया गया हो। ऐसी बिक्री या लेन—देन के लिए संक्षिप्त कारण भी बताएं, यदि कोई हो।
- ज. I k{kh dh nsunkfj; ks ds fooj.k
- 1. साक्षी के विरुद्ध कोई ऋण, देनदारियां, बंधक या बकाया प्रभार, यदि कोई हो।
- 2. भुगतान की जा रही किसी भी ईएमआई का विवरण।
- 3. ऋण लेने या ऐसी कोई देनदारी उठाने की तिथि और उद्देश्य :
- 4. उधार ली गई वास्तविक राशि, यदि कोई हो तथा शपथ—पत्र दायर करने की तिथि तक भुगतान की गई राशि :
- 5. कोई अन्य जानकारी जो साक्षी की वर्तमान देनदारियों का वर्णन करने के लिए प्रासंगिक होगी।
- झ. Lo&fu; kftr 0; fä@is'kpj@0; olk; h@m|eh
- 1. व्यवसाय / पेशा / उद्यम / स्वरोजगार / कार्य गतिविधि की प्रकृति का संक्षिप्त विवरण।
- 2. क्या व्यवसाय / पेशा / स्व-रोजगार व्यक्तिगत, एकल स्वामित्व वाली संस्था, साझेदारी वाली संस्था, एलएलपी, कंपनी या व्यक्तियों का संघ, एचयूएफ, संयुक्त परिवार व्यवसाय या किसी अन्य रूप में

चलाया जा रहा है? साझेदारी / व्यवसाय / पेशेवर संघ / स्व-रोजगार में आवेदक के हिस्से का विवरण दें। साझेदारी के मामले में, साझेदारी के लाभ / हानि में हिस्से को निर्दिष्ट करें।

- 3. व्यवसाय / पेशे / साझेदारी / स्वरोजगार से शृद्ध आय।
- 4. ऐसी गतिविधि के मामले में व्यवसाय / साझेदारी / स्व-रोजगार देनदारियां, यदि कोई हों।
- 5. कंपनी के व्यवसाय के मामले में, कंपनी के लाभ और हानि को दर्शाने के लिए अंतिम लेखा—परीक्षित तुलन—पत्र का संक्षिप्त विवरण उपलब्ध कराएं जिसमें ऐसा पक्ष कंपनी में व्यवसाय कर रहा है।
- 6. साझेदारी फर्म के मामले में, साझेदारी की अंतिम आयकर विवरणी दायर करने का विवरण उपलब्ध कराएं।
- 7. स्व-नियोजित व्यक्ति के मामले में, किसी भी ऐसे पेशेवर / व्यवसाय / व्यावसायिक गतिविधि से अंतिम आयकर विवरणी दायर करने का विवरण उपलब्ध कराएं।
- অ. VU; ifr ; k iRuh dh vk;] ifjlaifÙk; ka vk§ nsunkfj; ka ds laca/k ea l k{kh }kjk mi yC/k djkb1 xb1 tkudkjh
- 1. अन्य पति या पत्नी की शैक्षिक और व्यावसायिक योग्यताएं :
- 2. क्या पति या पत्नी अर्जक हैं? यदि हाँ, तो पति या पत्नी के व्यवसाय और आय का विवरण दें।
- 3. यदि नहीं, तो क्या वह अपने स्वयं के आवास में रह रहा है, या किराए के आवास में या नियोक्ता / व्यवसाय / साझेदारी द्वारा उपलब्ध कराए गए आवास में रह रहा है?
- 4. साक्षी की जानकारी के अनुसार पति या पत्नी की परिसंपत्तियों और देनदारियों का विवरण, तथा साथ में कोई सहायक दस्तावेज।
- ट. ∨kond ∨Fkok ∨U; ifr;k iRuh dk fooj.k];fn i{kdkj xystuokl h Hkkjrh;]Hkkjr ds विदेशी नागरिक, विदेशी राष्ट्रिक या भारत से बाहर विदेश में रहने वाला व्यक्ति हैं।
- 1. नागरिकता, राष्ट्रीयता और वर्तमान निवास स्थान का विवरण, यदि आवेदक या अन्य पित या पत्नी अस्थायी या स्थायी रूप से भारत से बाहर विदेश में निवास कर रहे हैं।
- 2. ऐसे आवेदक / पित या पत्नी के वर्तमान रोजगार और विदेशी मुद्रा में नवीनतम आय का विवरण, जो विदेशी नियोक्ता या विदेशी संस्थान से रोजगार पत्र या प्रशंसा—पत्र या नवीनतम प्रासंगिक बैंक संबंधी ब्यौरा के माध्यम से ऐसे विदेशी नियोक्ता या विदेशी संस्थान से रोजगार और आय के प्रासंगिक दस्तावेज द्वारा विधिवत समर्थित हो।
- 3. विदेशी क्षेत्राधिकार में ऐसे आवेदक / पति या पत्नी के घरेलू एवं अन्य व्यय का विवरण।
- 4. विदेशी क्षेत्राधिकार में आवेदक / अन्य पति या पत्नी की कर देयता का विवरण।
- 5. भारत / विदेशी क्षेत्राधिकार में आवेदक / अन्य पति या पत्नी की अन्य स्रोतों से आय का विवरण।
- 6. जीवनसाथी के भरण—पोषण, बच्चों की सहायता या किसी अन्य शैक्षिक व्यय, जीवनसाथी या बच्चों के चिकित्सा उपचार के कारण किए गए व्यय या किए गए अंशदान का विवरण।
- 7. व्यय या देनदारियों का कोई अन्य प्रासंगिक विवरण, जो किसी भी उपरोक्त शीर्षक के अंतर्गत नहीं आता हैं तथा भारत या विदेश में परिवार के किसी अन्य आश्रित सदस्यों के लिए कोई अन्य देनदारियां।

?kks'k.kk

1. मैं घोषणा करता / करती हूँ कि मैंने सभी स्रोतों से अपनी आय, व्यय, पिरसंपत्तियों और देनदािरयों का पूर्ण और सटीक विवरण दिया है। मैं यह भी घोषणा करता / करती हूँ कि इस शपथ—पत्र में बताए गए के अतिरिक्त मेरे पास कोई पिरसंपित्त, आय, व्यय और देनदािरयाँ नहीं हैं।

- 2. मैं अपने रोजगार, परिसंपत्तियों, आय, व्यय या इस शपथ-पत्र सहित किसी अन्य जानकारी में किसी भी भौतिक परिवर्तन के संबंध में इस न्यायालय को तत्काल सूचित करने का वचन देता / देती हूं।
- 3. मैं समझता / समझती हूँ कि इस शपथ—पत्र में कोई भी मिथ्या बयान, न्यायालय की अवमानना के अतिरिक्त, भारतीय दंड संहिता की धारा 191 और 193 के साथ पठित धारा 199 के अंतर्गत अपराध भी हो सकता है, जिसके लिए सात वर्ष तक का कारावास और जुर्माना हो सकता है, और भारतीय दंड संहिता की धारा 209 के अंतर्गत दो वर्ष तक का कारावास और जुर्माना हो सकता है। मैंने भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 191, 193, 199 और 209 को पढ़ा और समझा है।

साक्षी

I R; ki u

साक्षी

कृf"k | k{kh ¼कृf"k½ gsrq'ki Fk&i = dk fooj.k

- 1. स्वामित्व वाली ग्रामीण भूमि / भूमियों का कुल विस्तार, या उसी भूमि में विशिष्ट शेयरधारिताः
- 2. स्वामित्व दर्शाने के लिए जमाबंदी / म्यूटेशन :
- 3. पक्ष के स्वामित्व वाली भूमि का स्थान :
- 4. भूमि की प्रकृति : क्या गीली भूमि है या सूखी भूमि :
- 5. क्या ऐसी भूमि कृषि भूमि है या गैर-कृषि भूमि है :
- 6. कृषि / बागवानी की प्रकृति :
- 7. वर्ष के दौरान जोती जाने वाली फसलों की प्रकृति :
- 8. यदि ग्रामीण भूमि जोतने योग्य नहीं है, तो क्या उसका उपयोग व्यवसाय, पट्टे या अन्य गतिविधि के लिए किया जा रहा है :
- 9. विगत तीन वर्षों के दौरान भूमि से अर्जित आय :
- 10. क्या कोई भूमि पट्टे / बट्टाई (या संबंधित क्षेत्राधिकार के स्थानीय क्षेत्र में पट्टे के लिए प्रयुक्त कोई अन्य शर्त, जहां ग्रामीण / कृषि भूमि स्थित है) पर ली गई है:
- 11. (क) क्या आप किसी पशुधन जैसे भैंसों, गायों, बकरियों, मवेशी, मुर्गी पालन, मछली पकडने का व्यवसाय, मधुमक्खी पालन, सूअर पालन आदि के स्वामी हैं, उनकी संख्या कितनी है तथा उनसे कितनी आय होती है?
 - (ख) क्या आप डेयरी फार्मिंग, मुर्गीपालन, मत्स्य पालन या किसी अन्य पशुधन गतिविधि में लगे हुए हैं।

- 12. यदि भूमि के विरूद्ध कोई ऋण लिया गया हो तो ऐसे ऋणों को विवरण प्रस्तुत करें :
- 13. आय का कोई अन्य स्रोत :
- 14. देनदारियां, यदि कोई हो :
- 15. कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी :

?kk<''k kk

- 1. मैं घोषणा करता / करती हूँ कि मैंने सभी स्रोतों से अपनी आय, व्यय, परिसंपत्तियों और देनदारियों का पूर्ण और सटीक विवरण दिया है। मैं यह भी घोषणा करता / करती हूँ कि इस शपथ—पत्र में बताए गए के अतिरिक्त मेरे पास कोई परिसंपत्ति, आय, व्यय और देनदारियाँ नहीं हैं।
- 2. मैं अपने रोजगार, परिसंपत्तियों, आय, व्यय या इस शपथ-पत्र सहित किसी अन्य जानकारी में किसी भी भौतिक परिवर्तन के संबंध में इस न्यायालय को तत्काल सूचित करने का वचन देता/देती हूं।
- 3. मैं समझता / समझती हूँ कि इस शपथ—पत्र में कोई भी मिथ्या बयान, न्यायालय की अवमानना के अतिरिक्त, भारतीय दंड संहिता की धारा 191 और 193 के साथ पिठत धारा 199 के अंतर्गत अपराध भी हो सकता है, जिसके लिए सात वर्ष तक का कारावास और जुर्माना हो सकता है, और भारतीय दंड संहिता की धारा 209 के अंतर्गत दो वर्ष तक का कारावास और जुर्माना हो सकता है। मैंने भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 191, 193, 199 और 209 को पढ़ा और समझा है।

٦L.	ΠQ,	n
77	14	H

I R: ki u

दिनांक......पर सत्यापित किया गया कि उपरोक्त शपथ—पत्र की विषय—वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है, इसका कोई भी हिस्सा मिथ्या नहीं है और इसमें कोई भी महत्वपूर्ण तथ्य छिपाया नहीं गया है। मैं यह भी सत्यापित सत्यापित करता / करती हूँ कि शपथ—पत्र के साथ दायर दस्तावेजों की प्रतियां, मूल प्रतियाों की प्रतियां हैं।

साक्षी

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल के आदेश से तथा उनके नाम पर, रीतेश सिंह, प्रधान सचिव

DEPARTMENT OF LAW, JUSTICE AND LEGISLATIVE AFFAIRS NOTIFICATION

Delhi, the 6th January, 2025

- **F. No. 1/43/2024-Judl./Suptlaw/29-35.** In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 23 of the Family Courts Act, 1984 (66 of 1984), read with the Government of India, Ministry of Home Affairs Notification No. U-11030/4/85-UTI dated 26th November, 1985, the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi, after consultation with the Hon'ble High Court of Delhi, hereby makes the following rules to further amend the Delhi Family Court Rules, 1996:-
 - Short title and commencement (1) These rules may be called the Delhi Family Courts (Amendment) Rules, 2024.
 - (2) They shall come into force with immediate effect.

- 2. Repeal of existing Rule 17 and Rules 18 in Delhi Family Courts, Rules, 1996: In the Delhi Family Courts Rules, 1996, the existing Rule 17 and Rule 18 shall stand omitted.
- 3. Insertion/addition of Chapter-VI& Chapter-VII in Delhi Family Courts, Rules, 1996: In the DelhiFamily Courts Rules, 1996, after existing Rule 16 in Chapter-V, the following Chapters (Chapter-VI & Chapter-VII) shall be inserted: -

CHAPTER- VI

Rule 17: - Protecting the privacy of parties or persons:

- (i) No party shall extract in the pleadings the contents of a document or enclose a copy of the whole or part thereof which is of a sensitive nature viz. containing details of a personal or private nature concerning a party or a person or their conduct, which if disclosed, is likely to affect the right to privacy or cause embarrassment, without the leave of the court.
 - Explanation: For the purposes of this rule, a document would include any writing, private letters, notings, photographs and documents in electronic form including video clips, text messages, chat details, emails, printed copies thereof, CCTV footage etc.
- (ii) whenever a party applying under (i) above, or where any other party, or the Family Court on its own, comes across a document on record in the case which is prima facie of a sensitive nature, the Family Court shall pass appropriate orders concerning the said documents including providing copies thereof to the parties, preserving the originals or copies as the case may be in a sealed cover, de-sealing for being produced during court proceedings and re-sealing after the purpose for which they were directed to be produced is over.
- (iii) The Family Court shall also bind down by a specific direction, the parties and their respective lawyers and the court staff regarding the making of copies, use, preservation and dissemination of such document with a view to maintaining its confidentiality.
- (iv) The Family Court shall also pass necessary directions to specify the conditions upon which access would be permitted to such document by third parties.
- (v) The Family Court shall endeavour to decide on the issues at (i), (ii), (iii) and (iv) above, without unnecessary delay in accordance with law.
- (vi) The Family Court shall at all times keep in view the requirements of protecting the rights to privacy and dignity of the parties and persons and may suitably modify and adapt/ apply these rules to a given situation.
- (vii) The Family Court shall as far as possible and practicable hold the proceedings in camera.
- (viii) The Family Court shall in all matrimonial disputes and guardianship disputes efface the names of the parties in the cause list and in other parts of the judgment as and when they are uploaded on the website of the court or made available otherwise. The same shall be replaced by the first character of the spelling of their names.

CHAPTER-VII

18 Affidavit of assets, income and expenditure in all matrimonial cases:

All pleadings including petitions under Sections 9 to 13 of the Hindu Marriage Act and the written statements shall be accompanied with an affidavit of assets, income and expenditure in the format provided in Annexure-A besides being accompanied by relevant documents mentioned therein.

19 **Interpretation:**

If any question arises relating to interpretation of these Rules, it shall be decided by the State Government in consultation with the High Court.

20 **Repeal:**

The Delhi Family Court Rules, 1992 notified vide this Government's Notification No. F.6/141/84-Judl. dated the 9th March, 1992 are hereby repealed.

4. Insertion of 'Annexure-A' in the Rules after existing 'SCHEDULE': The following 'Annexure-A' specified in Rule 18 be added afterexisting 'SCHEDULE', namely: -

Annexure-A'

Affidavit of Assets and Liabilities for Non-Agrarian Deponents

I	, d/o	or s/o	, aged	l about	years,	resident	of
	, do hereby solen	nnly affirm and dec	clare as under:				

A. Personal Information

- 1. Name:
- 2. Age/Sex:
- 3. Qualifications (Educational and Professional):
- 4. Whether the Applicant is staying in the matrimonial house / parental home / separate residence. Please provide the current residential address of matrimonial home or place of residence and details of ownership of the residence, if owned by other family members.
- 5. Date of marriage:
- 6. Date of separation:
- 7. General monthly expenses of the Applicant (rent, household expenses, medical bills, transportation, etc.):

B. Details of Legal Proceedings and Maintenance being paid

- 1. Particulars of any ongoing or past legal proceedings with respect to maintenance or child support between the Applicant and Non-Applicant.
- 2. Whether any maintenance has been awarded in any proceeding arising under the D.V. Act, Cr.P.C., HMA, HAMA, etc.? If yes, provide details of the quantum of maintenance awarded in the proceedings.
- 3. If so, provide particulars thereof, along with a copy of the Order/s passed.
- 4. Whether the Order of maintenance passed in earlier proceedings has been complied with. If not, arrears of maintenance.
- 5. Whether any voluntary contribution towards maintenance has been made/ will be made in the future? If yes, provide details of the same.

C. Details of dependant family members

- 1. Details of Dependant family members, if any.
 - a. Relationship with dependants:
 - b. Age and sex of dependant/s:
- 2. Disclose if any independent source/s of income of the dependants, including interest income, assets, pension, the tax liability on any such income and any other relevant details.
- 3. The approximate expenses incurred on account of the dependant.

D. Medical details if any, of the Deponent and/or dependant family members

- 1. Whether either party or child /children is suffering from any physical/mental disability or any other serious ailment. If yes, produce medical records.
- 2. Whether any dependant family member has a serious disability, requiring continuous medical expenditure. If yes, produce disability certificate and approximate medical expenditure incurred on such medical treatment.
- 3. Whether either party or child/children or any other dependent family member is suffering from life-threatening diseases, which would entail expensive and regular medical expenditure? If yes, provide details of the same along with the summary of previous details of hospitalization /medical expenses incurred.

E. Details of Children of the parties

1. Number of children from the existing marriage / marital relationship/ previous marriage

- 2. Name and age of children
- 3. Details of the parent who has the custody of the children.
- 4. Expenditure for maintenance of dependent children.
 - a. Towards food, clothing and medical expenses
 - b. Towards expenses for education, and a summary of general expenses
 - c. Towards expenses, if any, of any extra educational, vocational or professional/educational course, specialized training or special skills programme of dependent children.
 - d. Details of any loan, mortgage, charge incurred or instalment plan (being paid or payable), if any, on account of any educational expenses of children.
- 5. Whether any voluntary contribution by either of the parties is being made towards these educational expenses. If yes, provide details of the same. Also, provide an estimate of any additional contribution that may be required.
- 6. Whether any financial support is being provided by a third party for the educational expenses of the children?

F. Details of Income of the Deponent

- 1. Name of employer:
- 2. Designation:
- 3. Monthly income:
- 4. If engaged in Government Service, furnish latest Salary Certificates or current Pay Slips or proof of deposit in the bank account, if being remitted directly by the employer.
- 5. If engaged in the private sector, furnish a certificate provided by the employer stating the designation and gross monthly income of such person, and Form 16 for the relevant period of current employment.
- 6. If any perquisites, benefits, house rent allowance, travel allowance, dearness allowance or any other service benefit is being provided by the employer during the course of current employment.
- 7. Whether assessed to income tax?
 - If yes, submit copies of the Income Tax Returns for the periods given below:
 - (i) One year prior to marriage
 - (ii) One year prior to separation
- (iii) At the time when the Application for maintenance is filed
- 8. Income from other sources, such as rent, interest, shares, dividends, capital gains, FDRs, Post office deposits, mutual funds, stocks, debentures, agriculture, or business, if any, along with TDS in respect of any such income.
- 9. Furnish copies of Bank Statement of all accounts for the last 3 years.

G. Assets (movable and immovable) owned by the Deponent

- 1. The self-acquired property, if any:
- 2. Properties jointly owned by the parties after marriage:
- 3. Share in any ancestral property:
- 4. Other joint properties of the parties (accounts/ investments/ FDR/ mutual funds, stocks, debentures etc.), their value and status of possession:
- 5. Status of possession of immovable property and details of rent, if leased:
- 6. Details of loans taken or given by the Deponent
- 7. Brief description of jewellery and ornaments of parties acquired during /after marriage

8. Details of transfer deeds or transactions of alienation of properties previously owned by the applicant, executed during the subsistence of the marriage. Also provide brief reasons for such sale or transaction, if any.

H. Details of Liabilities of the Deponent

- 1. Loans, liabilities, mortgage, or charge outstanding against the Deponent, if any.
- 2. Details of any EMIs being paid.
- 3. Date and purpose of taking loan or incurring any such liability:
- 4. The actual amount borrowed if any, and the amount paid upto date of filing the Affidavit:
- 5. Any other information which would be relevant to describe current liabilities of the Deponent.

I. Self-employed persons / Professionals / Business Persons / Entrepreneur

- 1. Brief description of the nature of business/profession/vocation/self-employed/work activity.
- 2. Whether the business/profession/ self-employment is carried on as an individual, sole proprietorship concern, partnership concern, LLP, company or association of persons, HUF, joint family business or any other form? Give particulars of Applicant's share in the partnership/business/professional association/self-employment. In case of a partnership, specify the share in the profit/losses of the partnership.
- 3. Net Income from the business/profession/ partnership/self-employment.
- 4. Business/partnership/self-employment liabilities, if any, in case of such activity.
- 5. In the case of business of the company, provide brief details of the last audited balance sheet to indicate profit and loss of the company in which such party is in business in the company.
- 6. In case of a partnership firm, provide details of the filings of the last Income Tax Return of partnership.
- 7. In case of a self-employed individual, provide the filings of the last Income Tax Return from any such professional/business/vocational activity.

J. Information provided by the Deponent with respect to the income, assets and liabilities of the other Spouse

- 1. Educational and professional qualifications of the other spouse:
- 2. Whether the spouse is earning? If so, give particulars of the occupation and income of the spouse.
- 3. If not, whether he/she is staying in his/her own accommodation, or in rented accommodation or in accommodation provided by employer/business/partnership?
- 4. Particulars of assets and liabilities of the spouse as known to the deponent, along with any supporting documents.

K. Details of Applicant or the other Spouse, in case parties are Non-Resident Indians, Overseas Citizens of India, Foreign Nationals or Persons living abroad outside India.

- 1. Details of Citizenship, Nationality and current place of residence, if the Applicant or other spouse is residing abroad outside India, temporarily or permanently.
- 2. Details of current employment and latest income in foreign currency of such applicant/spouse, duly supported by relevant documentation of employment and income from such foreign employer or overseas institution by way of employment letter or testimonial from foreign employer or overseas institution or latest relevant bank statement.
- 3. Details of household and other expenditure of such applicant/spouse in foreign jurisdiction.
- 4. Details of tax liability of applicant/other spouse in the foreign jurisdiction.
- 5. Details of income of applicant/other spouse from other sources in India/foreign jurisdiction.
- 6. Details of expenses incurred or contribution made on account of spousal maintenance, child support or any other educational expenses, medical treatment of spouse or children.
- 7. Any other relevant detail of expenses or liabilities, not covered under any of the above headings and any other liabilities to any other dependant family members in India or abroad.

Declaration

- 1. I declare that I have made a full and accurate disclosure of my income, expenditure, assets and liabilities from all sources. I further declare that I have no assets, income, expenditure and liabilities other than as stated in this affidavit.
- 2. I undertake to inform this Court immediately with respect to any material change in my employment, assets, income, expenses or any other information included in this affidavit.
- 3. I understand that any false statement in this affidavit, apart from being contempt of Court, may also constitute an offence under Section 199 read with Sections 191 and 193 of the Indian Penal Code punishable with imprisonment upto seven years and fine, and Section 209 of Indian Penal Code punishable with imprisonment upto two years and fine. I have read and understood Sections 191, 193, 199 and 209 of the Indian Penal Code, 1860.

DEPONENT

	Veri	fication	
Verified at	on this	day of	that the contents of the
above affidavit are true to my	y personal knowledge, no	part of it is false and not	thing material has been concealed
therefrom, whereas the content	ts of the above affidavit rela	ating to the assets, income	and expenditure of my spouse are
based on information believed along with the affidavit are the		record. I further verify that	t the copies of the documents filed

DEPONENT

Details for Affidavit for Agrarian Deponents (Krishi)

- 1. Total extent of the rural land/s owned, or the specific share holding in the same land:
- 2. Jamabandis / Mutations to show ownership:
- 3. Location of the land owned by the party:
- 4. Nature of land: whether wet land or dry land.
- 5. Whether such land is agricultural land or non-agricultural land:
- 6. Nature of agriculture / horticulture:
- 7. Nature of crops cultivated during the year:
- 8. If rural land is not cultivable, whether the same is being used for business, leasing or other activity:
- 9. Income generated during the past 3 years from the land:
- 10. Whether any land is taken on lease /battai (or any other term used for a lease in the local area of the concerned jurisdiction where rural /agricultural land is located.)
- 11. (a) Whether owner of any livestock, such as buffaloes, cows, goats, cattle, poultry, fishery, bee keeping, piggery etc., the number thereof and Income generated therefrom?
 - (b) Whether engaged in dairy farming, poultry, fish farming or any other livestock activity.
- 12. Loans, if any obtained against the land. Furnish details of such loans.
- 13. Any other sources of income:
- 14. Liabilities, if any
- 15. Any other relevant information:

Declaration

1. I declare that I have made a full and accurate disclosure of my income, expenditure, assets and liabilities from all sources. I further declare that I have no assets, income, expenditure and liabilities other than as stated in this affidavit.

- 2. I undertake to inform this Court immediately with respect to any material change in my employment, assets, income, expenses or any other information included in this affidavit.
- 3. I understand that any false statement in this affidavit, apart from being contempt of Court, may constitute an offence under Section 199 read with Sections 191 and 193 of the Indian Penal Code punishable with imprisonment upto seven years and fine, and Section 209 of Indian Penal Code punishable with imprisonment upto two years and fine. I have read and understood Sections 191, 193, 199, and 209 of the Indian Penal Code, 1860.

DEPONENT

of National Capital Territory of Delhi,

REETESH SINGH, Pr. Secy.

Verification

Verified at _____on this _____day of_____ that the contents of the above affidavit are true to my personal knowledge, no part of it is false and nothing material has been concealed therefrom. I further verify that the copies of the documents filed along with the affidavit are the copies of the originals.

DEPONENT

By Order and in the Name of the Lt. Governor